|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 22. Januar 2023 | | |
| **03. Sonntag im Jahreskreis A** | | |
| Erste Lesung: Jes 8,23b-9,3; Zweite Lesung: 1 Kor 1,10-13.17; Evangelium: Mt 4,12-23 (oder 4,12-17) | | |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 381, 1+2 | Dein Lob, Herr, ruft der Himmel aus |
|  | GL 481, 1+3! +4+6 | Sonne der Gerechtigkeit |
|  | GL 489, 1-3 | Lasst uns loben, freudig loben |
|  | GL 140, 1-3 | Kommt herbei |
|  |  |  |
| Kyrie: | Entfällt, wenn GL 481 | |
|  | GL 163, 7 | Herr Jesus |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 171 | Preis und Ehre |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 27, 1.4.13-14 | |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 365 | Meine Hoffnung und meine Freude |
|  |  | |
| Halleluja-Ruf: | GL 175, 6 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Jesus verkündete das Evangelium vom Reich* | |
|  | *und heilte im Volk alle Krankheiten und Leiden.* | |
|  |  |  |
| Credo: | GL 793 | Dich, o Gott, wir Vater nennen |
|  | GL 456, 1+2+4 | Herr, du bist mein Leben |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL146, 1+3! +4 | Du rufst uns, Herr, an deinen Tisch |
|  | GL 360, 1+5 | Macht weit die Pforten |
|  | GL 461, 1+2 | Mir nach |
|  | GL 477 | Gott ruft sein Volk zusammen |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 198 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 206 | Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 275, 1+4 | Selig, wem Christus |
|  | GL 384, 3 | Hoch sei gepriesen |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 464, 1+4+5 | Gott liebt diese Welt |
|  | GL 487, 4+5 | Du guter Hirt |